राज्य नगरीय विकास अभिकरण (सूडा), उ0प्र0

सर्जना

01 जनवरी 2025 | अंक: 12

माननीय मुख्यमंत्री जी ने किया आश्रय गृह का उद्घाटन

दिनांक 10 दिसंबर 2024 को प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के द्वारा जनपद गोरखपुर के धर्मशाला बाजार में दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के अंतर्गत निर्मित आश्रय गृह का उद्घाटन किया गया। जनवरी 2023 में उक्त आश्रय गृह स्वीकृत हुआ था, जिसकी लागत 190.60 (लाख रुपए) थी।

जिसका निर्माण नवंबर 2024 में पूरा हो गया था। यह आश्रय गृह गोरखपुर रेलवे स्टेशन से 500 मीटर की दूरी पर स्थित है। 44 शैय्या वाले इस आश्रय गृह में गैस, गैस चूल्हा, खाना बनाने के बर्तन, वाटर कूलर, सोलर पैनल इनवर्टर वॉल तथा आरओ की व्यवस्था है। यह आश्रय गृह पूर्णत: नि:शुल्क है। जो संवासी वहां रहकर भोजन आदि बनाना चाहते हैं, वे अपना स्वयं का सामान लाकर बना सकते हैं।

माननीय मंत्री ने पीएमएवाई-यू एवं पीएम स्वनिधि योजना के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र व चाबी दी

दिनांक 25 दिसंबर 2024 को जनपद मऊ नगर पालिका कम्युनिटी हॉल में श्री एके शर्मा , माननीय मंत्री ऊर्जा एवं नगर विकास विभाग द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी के जन्म शताब्दी समारोह के उपलक्ष्य में मऊ नगर विकास विभाग की विभिन्न परियोजनाओं का शुभारम्भ और लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर प्रधानंत्री आवास योजना शहरी के लाभार्थियो एवं पीएम स्वनिधि योजना के लाभार्थियो को प्रमाण पत्र एवं चाबी वितरण किया गया।

निदेशक डे-एनयूएलएम ने की समीक्षा

दीनदयाल अन्त्योदय योजना-राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के अंतर्गत गठित स्वयं सहायता समूहों से जुड़कर महिलाएं सामाजिक एवं आर्थिक रूप से सशक्त हो रहीं हैं। एसएचजी की महिलाओं द्वारा शक्ति रसोई, अमृत मित्र आदि योजनाओं के सफल क्रियान्वयन में अहम भूमिका निभाई जा रही है। स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा निर्मित उत्पाद उनकी कार्य दक्षता का उत्कृष्ट उदाहरण है। जल्द ही महिलाओं द्वारा निर्मित उत्पादों को वृहद बाजार उपलब्ध कराने के लिए एक ऐसा मंच या प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे महिलाओं को उनकी मेहनत का सही पारितोषिक मिल सके। उक्त बातें सूडा भवन में श्री सुनील कुमार यादव, निदेशक, डे-एनयूएलएम, आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार ने कहीं।

दिनांक 16.12.2024 को श्री सुनील यादव, निदेशक, डे-एनयूएलएम, आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार ने पाइलट प्रोजेक्ट (शहरी गरीबी उन्मूलन हेतु नया मिशन) के रूप में लखनऊ में संचालित हो रही योजना की प्रगति की समीक्षा की। समीक्षा बैठक के दौरान श्री सुनील यादव ने एसएचजी की सदस्यों से संवाद भी किया तथा तथा उनके सम्मुख आने वाली चुनौतियों व उनके निस्तारण पर चर्चा की। उक्त समीक्षा बैठक में सहायक निदेशक सूडा श्रीमती मोनिका वर्मा, परियोजना अधिकारी डूडा लखनऊ / एसीएम श्री चंद्रकांत त्रिपाठी ने भी प्रतिभाग किया तथा बड़ी संख्या में विभाग के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

इसके उपरांत निदेशक डे-एनयूएलएम श्री सुनील कुमार यादव ने सूडा भवन में संचालित होने वाली शक्ति रसोई का निरीक्षण भी किया।

मिशन मोड में बैंक कराएं लाभार्थियों की समस्याओं का निस्तारण: निदेशक सूडा

प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के लाभार्थियों व स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों के सम्मुख बैंक से जुड़ी हुई जो भी समस्याएं हैं, उनका जल्द से जल्द निस्तारण बैंकों द्वारा कराया जाना चाहिए। लाभार्थियों से जुड़ी शिकायतों को सक्षम बैंक अधिकारियों द्वारा पूरी गंभीरता से लिया जाए व अभियान चलाकर समस्याओं का निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। निदेशक सूडा ने कहा कि समस्याओं के निपटारे हेतु बैंकों को विभाग की ओर से पूरा सहयोग दिया जाता रहा है और आगे भी दिया जाता रहेगा। अत: मिशन मोड में शिकायतों का त्वरित निस्तारण किया जाए। जिससे पात्रों को योजनाओं का लाभ मिल सके। उक्त बातें सूडा भवन में बैंकर्स संग आयोजित आवश्यक बैठक के दौरान निदेशक सूडा डॉ. अनिल कुमार ने कहीं। उक्त बैठक में सहायक निदेशक सूडा श्रीमती मोनिका वर्मा ने भी प्रतिभाग किया।

बैठक में मुख्य रूप से प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत ऋण वितरण तथा लाभार्थियों के सम्मुख आने वाली बैंक से जुड़ी समस्याओं व स्वयं सहायता समूहों के लिए बैंक लिंकेज समेत बैंक से सम्बद्ध अन्य मुद्दों पर चर्चा की गई।

आपको बताते चलें कि प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत स्ट्रीट वेंडर्स को प्रथम लोन के रूप में 10000 रुपए, द्वितीय लोन के रूप में 20000 रुपए व तृतीय लोन के रूप में 50000 रुपए का ऋण बैंक द्वारा दिया जाता है। इसके साथ ही स्वयं सहायता समूह यानी एसएचजी का बैंक लिंकेज किया जाता है। स्वयं सहायता समूह को बैंक लिंकेज के माध्यम से उनकी बचत के अनुरूप व बैंक अपनी ग्रेडिंग के हिसाब से उनकी बचत का अधिकतम चार गुना ऋण देते हैं। इस बैठक में प्रदेश के सभी 75 जनपदों से परियोजना अधिकारियों व शहर मिशन प्रबंधक ने भी वर्चुअल कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भाग लिया। इस दौरान बैंकर्स को समस्याओं से अवगत कराया गया। जिसे समस्त बैंक प्रतिनिधियों ने बेहद गंभीरतापूर्वक सुना व जल्द ही प्रभावी निस्तारण का आश्वासन भी दिया।

इस बैठक में बैंक ऑफ बड़ौदा, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, बड़ौदा यूपी बैंक, आर्यवर्त बैंक, पंजाब एंड सिंध बैंक, बैंक ऑफ इण्डिया, प्रथमा बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, यूनियन बैंक ऑफ इण्डिया, इण्डियन ओवरसीज बैंक, इण्डियन बैंक, यूको बैंक व केनरा बैंक के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

पीएमएवाई-यू ने बदली मेरी जिंदगी: समुरा देवी

प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी निर्बल आय वर्ग के लोगों के लिए वरदान से कम साबित नहीं हो रही है। कठिन परिस्थितियों में जीवन गुजारने वाले श्रमिकों के लिए पक्का घर किसी चुनौती से कम नहीं था लेकिन प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी ने समाज के सबसे कमजोर वर्ग के लिए पक्के घर के सपने को साकार करने का काम किया है। जनपद सुलतानपुर की ऐसी ही एक लाभार्थी हैं श्रीमती समुरा देवी, जिनके पति दिहाड़ी मजदूरी का काम करते थे। अपना घर होने के नाम पर कच्ची दीवारें व टिनशेड था। लेकिन आज इस परिवार के पास अपना पक्का मकान है और इनके जीवन में अभूतपूर्व परिवर्तन आया है। तो आइए जानते हैं उन्हीं की जुबानी उनकी कहानी....श्रीमती समुरा देवी कहती हैं मेरे पति दिहाड़ी मजदूरी का काम करते थे। घर के नाम पर मात्र टिनशेड था। जिसमें मैं अपनी पांच बेटियों के साथ जिंदगी गुजार रही थी। पक्का घर कभी होगा ऐसा सपने में भी नहीं सोचा था। लेकिन प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी के माध्यम से मिले अनुदान से आज मेरा पक्का घर है और मेरे पति ने इसी घर में सब्जी की छोटी सी दुकान खोल ली है। जिससे हमारा जीवन यापन अब पहले से बेहतर ढंग से हो रहा है।

मेरा काम बना मेरी पहचान: बीना देवी

शहरी बेरोजगारी के उन्मूलन तथा महिलाओं की आर्थिक व सामाजिक स्थिति को बेहतर बनाने के लिए विभाग की ओर से कई योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। इन योजनाओं के माध्यम महिलाओं के जीवन में क्रांतिकारी परिवर्तन आ रहे हैं। घर की चारदीवारी से बाहर निकलकर महिलाएं आज समाज में अपनी पहचान बनाने में कामयाब हो रही हैं। डे-एनयूएलएम के अंतर्गत गठित स्वयं सहायता समूह महिला सशक्तिकरण व स्वावलंबन की दिशा में मील का पत्थर साबित हो रहे हैं। जनपद मऊ की निवासी श्रीमती बीना देवी के जीवन में परिवर्तन लाने में स्वयं सहायता समूह किस तरह से मददगार साबित हुआ आइए जानते हैं उन्हीं की जुबानी। बीना देवी कहती हैं कि स्वयं सहायता समूह महिलाओं की सामाजिक व आर्थिक उन्नति का सशक्त माध्यम बने हैं। योजना के अंतर्गत माधुरी स्वयं सहायता समूह का गठन किया और आज हम अपनी एसएचजी के बैनर तले मशरूम, नमकीन, पापड़ आदि बनाने का काम कर रहे हैं। जिससे हमारी आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर हुई हैं।

सोशल मीडिया

SUDA (UTTAR PRADESH)
@SUDA_UP

आज, निदेशक सूडा @anilpathakias की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी, पीएम स्वनिधि, मलिन बस्ती एवं डे-एनयूएलएम के विभिन्न घटकों की प्रगति की समीक्षा की गई।

Translate post

Pradhan Mantri Awas Yojana (Urban),...
@PMAYU_UP

प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी लाखों चेहरों पर मुस्कान लाने में सफल साबित हुई है। कच्चे घरों में अपना जीवन व्यतीत करने वाले परिवारों के चेहरों पर प्रसन्नता की चमक उनके सपने पूरे होने की कहानी बयां कर रही है।

Translate post

DAY-NULM UTTAR PRADESH
@nulmup

डे-एनयूएलएम योजना शहरी गरीबों के लिए रोजगार के नये अवसर सृजित कर रही है।

योजना के घटक 'स्वरोजगार' के अंतर्गत व्यक्तिगत ऋण वितरण में अग्रणीय है उत्तर प्रदेश।

#DAYNULM #SEPI #SEPG #UPSUDA #SUDA #EmpoweringIndia #EmpoweringwithDAYNULM

Translate post

Pradhan Mantri Awas Yojana (Urban),...
@PMAYU_UP

पीएमएवाई-यू के माध्यम से मिले आवास गरीबी से निकलने की पहली सीढ़ी साबित हुए हैं। दुर्बल आय वर्ग के लोगों को मिले पक्के आवास उनकी समृद्धि व सम्मान के द्योतक हैं।

Translate post

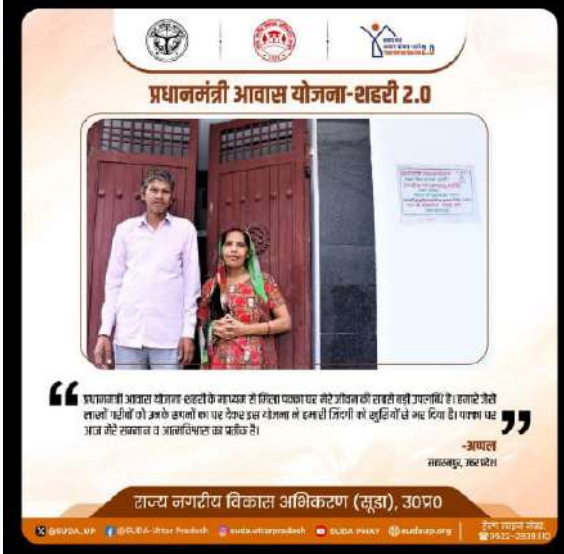

प्रिंट मीडिया

कैनविज टाइम्स

सिर्फ सच

बैंक कराएं लाभार्थियों की समस्याओं का तत्काल निस्तारण : निदेशक सूडा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। सूडा भवन में बैंकर्स संग आयोजित आवश्यक बैठक में निदेशक सूडा डॉ. अनिल कुमार ने कहा कि पीएम स्वनिधि योजना के लाभार्थियों व स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों के सम्मुख बैंक से जुड़ी हुई जो भी समस्याएं हैं, उनका जल्द से जल्द निस्तारण बैंकों द्वारा कराया जाना चाहिए। लाभार्थियों से जुड़ी शिकायतों को सक्षम बैंक अधिकारियों द्वारा पूर्ण गंभीरता से लिया जाए व अभियान चलाकर समस्याओं का निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। निदेशक सूडा ने कहा कि समस्याओं के निपटारे हेतु बैंकों को विभाग की ओर से पूरा सहयोग दिया जाता रहा है और आगे भी दिया जाता रहेगा। अतः मिशन मोड में शिकायतों का त्वरित निस्तारण किया जाए। जिससे पात्रों को योजनाओं का लाभ मिल सके।

दै.राष्ट्रीय सहारा,ललितपुर,13.12.2024 (सूचना) sk

स्ट्रीट वेंडर्स ऋण स्वीकृति के लंबित आवेदनों को तत्काल निस्तारित करें बैंकर्स : डीएम

ललितपुर : ऋण वितरण योजना की समीक्षा बैठक में दिशा निर्देश देते जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी।

जनपद के विकास के लिए वितरित किया 1476.08 करोड़ का ऋण

ललितपुर (एसएनबी)। जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों एवं बैंकर्स के साथ समीक्षा बैठक कर जनपद के विकास के लिए अधिक से अधिक ऋण वितरण पर जोर दिया। उन्होंने ऋण वितरण योजना की समीक्षा करते हुए सभी बैंकर्स को निर्देश दिए कि लक्ष्य के सापेक्ष सभी विभागों को ऋण वितरण करना सुनिश्चित करें व जनपद के विकास और योजनाओं को आगे बढ़ने के लिए विभिन्न स्तर पर ऋण वितरण योजना चलाई जा रही है व वित्त वर्ष में अभी तक लक्ष्य के सापेक्ष 60.30 प्रतिशत 1476.08 करोड़ रुपये ऋण वितरित किया जा चुका है।

जिलाधिकारी ने प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना की समीक्षा करते हुए सभी को योजना की प्रगति पर जोर देने के लिए प्रेरित किया, साथ ही बैंकर्स को स्ट्रीट वेंडर्स ऋण स्वीकृति के लंबित आवेदन को तत्काल निस्तारित करने के निर्देश दिए। जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक रंजित कुमार ने सभी जिला समन्वयक को निर्देश दिए कि शाखा मे लंबित ऋण पत्रावलियों का जल्द से जल्द निपटारा करें व बैंकर्स शासन द्वारा संचालित एनआरएलएम व स्वनिधी योजना सहित विभिन्न स्वरोजगारपरक योजनाओं के अंतर्गत अधिक संख्या में पात्रों को रोजगार उपलब्ध कराएं व जनपद में ऋण वितरण की स्थिति वार्षिक ऋण योजना के अंतर्गत 2024-25 तक प्राथमिकता क्षेत्र में वार्षिक लक्ष्य 2428.47 करोड़ के सापेक्ष 1264.23 करोड़ की उपलब्धि प्राप्त हुई, ऋण वितरण का वार्षिक लक्ष्य का 52.06 प्रतिशत प्राप्त किया है, जिसमें व्यवसायिक बैंकों ने 53.88 प्रतिशत, ग्रामीण बैंकों ने 41.17 और सहकारी बैंकों ने लक्ष्य के सापेक्ष 37.36 प्रतिशत से अधिक उपलब्धि प्राप्त की। बैठक में मुख्य विकास अधिकार केक्के,पांडेय रिजर्व बैंक के प्रतिनिधि निखिल कुमार, सुरेन्द्र कुमार डीसी, सलिल अर्कवंशी मुकेश पटेल एवं विभिन्न बैंकों के जिला समन्वयक आदि मोजूद रहें।

Follow us on: @TheDailyPioneer facebook.com/dailypioneer instagram.com/dailypioneer/

पायनियर

Established 1865

लखनऊ, नई दिल्ली और रायपुर से प्रकाशित

www.dailypioneer.com

स्वयं सहायता समूह से जुड़कर महिलाएं हो रहीं सशक्तः सुनील

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

दीनदयाल अन्त्योदय योजना- राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के अंतर्गत गठित स्वयं सहायता समूहों से जुड़कर महिलाएं सामाजिक एवं आर्थिक रूप से सशक्त हो रहीं हैं। एसएचजी की महिलाओं द्वारा शक्ति रसोई, अमृत मित्र आदि योजनाओं के सफल क्रियान्वयन में अहम भूमिका निभाई जा रही है। स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा निर्मित उत्पाद उनकी कार्य दक्षता का उत्कृष्ट उदाहरण है। जल्द ही महिलाओं द्वारा निर्मित उत्पादों को वृहद बाजार उपलब्ध कराने के लिए एक ऐप मंच या प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे महिलाओं को उनकी मेहनत का सही पारितोषिक मिल सके। उक्त बातें सोमवार को सूडा भवन में सुनील कुमार यादव, निदेशक, डे-एनयूएलएम, आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार ने कहीं। यादव ने पायलट प्रोजेक्ट (शहरी गरीबी उन्मूलन हेतु नया मिशन) के रूप में लखनऊ में संचालित हो रही योजना की प्रगति की समीक्षा की।

सरकारी योजनाओं के ऋणों की फाइलों को गुणवत्ता के आधार पर पास करें बैंकर्स : डीएम

बिजनौर (चिंगारी)। जिलाधिकारी अंकित कुमार अग्रवाल ने सभी बैंकर्स को निर्देश दिये कि लक्ष्य के सापेक्ष ऋण वितरण करना सुनिश्चित करें। उन्होंने बैंकों को अन्य योजनाओं की समीक्षा में भी निर्धारित लक्ष्य या प्रतिशत को बढ़ाने के भी निर्देश दिये। उन्होंने प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना की गहनता के साथ समीक्षा करते हुए कहा कि यह योजना सरकार की महत्वपूर्ण योजना है। उन्होंने सभी बैंकर्स को निर्देशित करते हुए कहा कि जिन बैंको में स्ट्रीट वेंडर्स ऋण स्वीकृति लंबित है, वह तत्काल ही उसको पूरा करना सुनिश्चित करें।

जिलाधिकारी ने शुक्रवार की शाम विकास भवन सभागार में डीएलआरसी एवं डीसीसी की द्वितीय त्रैमासिक बैठक की अध्यक्षता करते हुए निर्देश दिये कि बैंकर्स शासन द्वारा संचालित स्वरोजगार परक एनआरएलएम, स्वनिधियोजना सहित योजनाओं के अंतर्गत अधिक से अधिक पात्र लोगों को रोजगार उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने समस्त बैंकर्स को निर्देश देते हुए कहा कि बैंकों द्वारा सरकार द्वारा चलायी जा रही योजना में ऋण देने में लापरवाही बरती जा रही है, समस्त बैंकर्स यह ध्यान दें कि सरकार गरीबों के स्वरोजगार के लिए जो योजनाएं चला रही है उसमें बैंकों की भागीदारी भी महत्वपूर्ण है, इसलिए बैंकर्स सरकारी योजनाओं के ऋणों की फाइलों को पूरी गुणवत्ता के आधार पर पास करना सुनिश्चित करें।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी पूर्ण बोरा, जिला विकास अधिकारी श्रीमती रचना गुप्ता, जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक, डीडीएम नाबार्ड, डीसी एनआरएलएम सहित समस्त बैंकर्स, संबंधित विभागीय अधिकारी मौजूद थे।